बच्चों को संस्कारित करने वाला साहित्य नई पीढी की मजबूत नींव रखता है-राज्यपाल

27-6-2017

चंडीगढ, 27 जून। बच्चों को संस्कारित करने वाला साहित्य नई पीढी की मजबूत नींव रखता है। श्रेष्ठ कविता भी वही होती है जो अपने सुख के लिए नहीं परिस्थितियों और पीढी को ठीक करने के लिए की जाती है। इसकी शुरूआत बच्चों से ही होती है क्योंकि वे ही समाज की नींव होते हैं। ये उद्गार हरियाणा के राज्यपाल प्रोफेसर कप्तान सिंह सोलंकी ने आज बाल साहित्यकार श्रीमती प्रज्ञा शारदा के बाल काव्य-संग्रह 'रंग बिरंगी तितलियां' के विमोचन के बाद बोलते हुए व्यक्त किए। विमोचन समारोह का आयोजन गांधी स्मारक निधि की ओर से राजभवन में किया गया था। राज्यपाल ने आगे कहा कि बच्चों को समझाना कठिन कार्य है। इसके लिए बालमन की समझ जरूरी है। लेकिन बालमन में जो कुछ भी उतार दिया जाए वह जीवनभर याद रहता है। इसीलिए बच्चों के लिए लिखना सराहनीय कार्य है। उन्होंने कहा कि श्रीमती प्रज्ञा शारदा ने यह सराहनीय कार्य कर के आदर्श शिक्षक होने का परिचय दिया है।

बाल कविता संग्रह के विमोचन पर श्रीमती प्रज्ञा शारदा को बधाई देते हुए प्रो0 सोलंकी ने कहा कि कोई भी पुस्तक लिखने के लिए साधना करनी पड़ती है। पूर्ण आदमी बनने के लिए कोई न कोई पुस्तक लिखनी चाहिए। इससे मन परिष्कृत होता है और व्यक्तित्व में निखार आता है। इससे पहले पुस्तक का परिचय देते हुए वरिष्ठ साहित्यकार प्रेम विज ने कहा कि श्रीमती प्रज्ञा शारदा ने बच्चों के पसंद के विषयों पर कविताएं रची हैं जिनमें बच्चों के भाव के अनुरूप भाषा का चयन किया है। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में इंटरनेट कार्टून, कम्पयूटर गेम्स, टी0वी0 वीडियो गेम्स आदि का बोलबाला होने के बावजूद बाल-पुस्तकों की आवश्यकता निरंतर बनी हुई है क्योंकि टी0वी0, इंटरनेट आदि केवल बाल-साहित्य के संप्रेषण के माध्यम हैं। इनमें जो बालोपयोगी सामग्री व कार्यक्रम हैं वे सब बाल-कथाओं, कविताओं आदि किस्म के बाल-साहित्य पर ही आधारित होते हैं।

कवयित्री श्रीमती प्रज्ञा शारदा ने पुस्तक के विषय में कहा कि उन्होंने अपनी कविताओं में बच्चों को कुछ न कुछ शिक्षा प्रदान करने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि बच्चों को कविताओं और खेल की मदद से ही अधिक सरलता से सिखाया जा सकता है। गांधी स्मारक निधि के अध्यक्ष व श्रीमती प्रज्ञा शारदा के पति के0के0 शारदा ने राज्यपाल व सब अतिथियों का धन्यवाद किया। इस अवसर पर राज्यपाल के सचिव डा॔0 अमित कुमार अग्रवाल, गांधी स्मारक निधि के निदेशक देवराज त्यागी, वरिष्ठ साहित्यकार कैलाश अहलूवालिया व अनेक गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।